प्रेस विज्ञप्ति

01/12/2021

'विश्व एड्स दिवस' पर गोरखनाथ ब्लड बैंक में लगा रक्तदान शिविर

आज दिनांक 1 दिसंबर 2021 बुधवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष में एक वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सालय के निदेशक मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेई ने इस वैश्विक महामारी के बारे में कहा कि यह रेड रिबन एचआईवी पॉजिटिव लोगों के साथ एकजुटता और एड्स के साथ जी रहे लोगों के लिए वैश्विक प्रतीक है। विश्व एड्स दिवस, 1988 के बाद से 1 दिसंबर को हर साल मनाया जाता है। इसका उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के प्रसार से एड्स महामारी के प्रति जागरूकता बढाना और इस बीमारी से जिसकी मौत हो गई है, उनका शोक मनाना है।

ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने आगे विस्तार से बताया कि यह रोग कभी भी रोगी से मात्र हाथ मिलाने से, रोगी का तौलिया प्रयोग करने से, एक ही कमरे में रोगी के साथ सोने आदि से नहीं हो सकता। तो फिर ऐसी क्या स्थिति एवं परिस्थितियां हैं, जिससे रोगियों की संख्या में निरन्तर बढ़ोत्तरी हो रही है? इनके सभी कारणों और बचावों की जानकारी हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रतिवर्ष 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाये जाने का निश्चय किया गया है। जिससे विश्व के सभी राष्ट्र हर प्रकार से सहयोग का आदान – प्रदान कर इस बढ़ती महामारी पर अंकुश लगा सकें।

विश्व एड्स दिवस 2021 का विषय है, वैश्विक एकजुटता

UNAIDS के अनुसार, असमानताओं के खिलाफ साहसिक कार्रवाई के बिना, दुनिया 2030 तक एड्स को समाप्त करने के लक्ष्यों के साथ-साथ एक लंबे समय तक चलने वाली COVID-19 महामारी और एक सर्पिल सामाजिक और आर्थिक संकट को समाप्त करने का जोखिम उठा रही है। उन्होंने आगे बताया कि चूंकि पहले एड्स के मामले सामने आए थे, एचआईवी अभी भी दुनिया के लिए खतरा है। आज दुनिया 2030 तक एड्स को समाप्त करने के लिए साझा प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए कार्य कर रही है।

इस अवसर पर ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. ममता जायसवाल ने रक्तदाताओं को रक्तदान से जुड़ी सारी जानकारियां एवं सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति जिसका वजन 45 किलो से ऊपर तथा उम्र 18 वर्ष से 65 वर्ष के बीच हो, वो हर 3 माह के अंतराल पर रक्तदान कर सकता है। ब्लड बैंक में रक्तदाताओं का रक्तदान हेतु आवश्यक जांचें ब्लड बैंक द्वारा स्वत: ही की जाती हैं। रक्तदाता का परीक्षण करने के उपरांत ही रक्तदान कराया जाता है। अगर रक्तदाता में किसी प्रकार की कोई कमी पाई जाती है तो उन्हें आवश्यक सुझाव एवं जानकारियां दी जाती हैं। डॉ. जायसवाल ने आगे बताया कि रक्तदान करने के अनेक लाभ बताए। उन्होंने बताया कि रक्तदान से वजन पर नियंत्रण, रक्तचाप का नियंत्रण, हृदयाघात से बचाव, मोटापा तथा मस्तिष्क रूप जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। एक रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त 4 प्राणियों की रक्षा करता है। रक्तदान करने से बोन मैरो भी सक्रिय हो जाते हैं, जो रक्त निर्माण में सहायक होता है। इसके कारण ताजा रक्त शरीर में प्रवाहित होता है एवं ऑक्सीजन का संचार बेहतर रूप से होता है। इससे शरीर भी अधिक स्वस्थ एवं स्फूर्ति का अनुभव करता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान के बारे में फैली भ्रांतियों पर ध्यान ना देकर खुद को लाभान्वित करें तथा जनमानस में होने वाली हानि को रोकने में राष्ट्र की सहायता

करें। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर सी यम सिन्हा ने भी अपने विचारों से रक्तदाताओं का ज्ञानवर्धन किया।

कोविड 19 नियमों का पालन करते हुए कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग, हैंड सैनिटाईजेशन तथा मास्क इत्यादि मानकों का अक्षरशः पालन किया गया। इसमें नूर मोहम्मद, कमलेश, शिवम, पंकज गुप्ता सहित 35 रक्तदाताओं ने रक्तदान शिविर में भाग लिया। सभी रक्तदाताओं को चैन, मास्क तथा सम्मान पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्त कोष के अधिकारी एवं कर्मचारियों अमित मिश्रा, चंद्रेश्वर यादव, आदित्य सिंह इत्यादि की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सालय के अपर निदेशक डॉ. कामेश्वर सिंह ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार एवं हृदय से शुभकामनाएं ज्ञापित किया। कार्यक्रम में चिकित्सकगण कर्मचारी एवं नगर के गणमान्य व्यक्ति पत्रकार बंधु सहित भारी संख्या में अतिथि उपस्थित हुए।